

विषय सूची

प्रास्ताविक —

| | |
|---------------------------|----|
| १— महामानव का जीवन | ७ |
| २— जीवन सामग्री | ९ |
| ३— महावीर जीवन और जैनधर्म | १३ |
| ४— अन्तस्तल | १६ |
| ५— तुलना | १८ |
| ६— दैनन्दिनी की तिथियाँ | ३० |

महावीर का अन्तस्तल—

| | |
|-----------------------------|----|
| १— अशान्ति | १५ |
| २— भीगी आँखें | २३ |
| ३— फीका वसन्त | २५ |
| ४— आंसुओं का इन्द्र | ३० |
| ५— माँ की शक्ति | ३५ |
| ६— अधूरी सान्त्वना | ४१ |
| ७— संन्यास और कर्मयोग | ४३ |
| ८— सीता उर्मिला के उपाख्यान | ४९ |
| ९— नारी की साधना | ५३ |
| १०— सर्वज्ञता की सामग्री | ५७ |
| ११— पितृवियोग | ५६ |
| १२— मातृ वियोग | ६० |
| १३— भाई जी का अनुरोध | ६३ |
| १४— गृह तपस्या | ६५ |
| १५— उलझन | ७१ |

| | |
|------------------------------|-----|
| १६- देवी की अनुमति | ७२ |
| १७- निष्क्रमण | ७७ |
| १८- अब भी राजकुमार | ८६ |
| १९- पारिपार्श्वक एक वाधा | ८६ |
| २०- रस समभाव | ९४ |
| २१- केश लौच | ९५ |
| २२- अदर्शन विजय | ९७ |
| २३- तापसाश्रम में | ९९ |
| २४- शूलपाणि यक्ष का मन्दिर | १०३ |
| २५- दम्भी का भण्डाफोड़ | १०६ |
| २६- वस्त्र छूटा | १११ |
| २७- अहिंसा की परीक्षा | " |
| २८- शुद्धाहार | ११४ |
| २९- सत्कार विजय | ११६ |
| ३०- संवर्तक (बड़ा तूफान) | १२० |
| ३१- गोशाल | १२३ |
| ३२- नियतिवाद के वीज | १२६ |
| ३३- उदासीनता की नीति | १३१ |
| ३४- एक राज्य की आवश्यकता | १३४ |
| ३५- शृंगार का प्रवाह | १३७ |
| ३६- बीभत्स टोटके | १४१ |
| ३७- पथिक का उत्तरदायित्व | १४६ |
| ३८- श्रमण विरोध | १४८ |
| ३९- दुःख निमन्त्रण हेय | १५४ |
| ४०- स्वघातक विद्वेष | १५७ |
| ४१- यक्षपुजारी की श्रमणभक्ति | १५९ |
| ४२- जीवसमास और अहिंसा | १६१ |
| ४३- विरोध और सभ्यता | १६२ |

| | |
|--------------------------|-----|
| ४४- मल्लि अर्हन्त | १७२ |
| ४५- सत्य और तथ्य | १७६ |
| ४६- पांच व्रत | १७८ |
| ४७- वार्स परिपह | १८० |
| ४८- मन्त्र तंत्र | १८६ |
| ४९- गणतन्त्र और राजतंत्र | १९६ |
| ५०- अनुमति की आवश्यकता | १९९ |
| ५१- अधिज्ञानी आनन्द | २०३ |
| ५२- सर्वज्ञता | २०५ |
| ५३- त्रिभंगी | २०८ |
| ५४- सप्तभंगी | २११ |
| ५५- दासता की कुप्रथा | २१३ |
| ५६- स्वप्न जगत् | २१६ |
| ५७- क्यों लूटें | २१७ |
| ५८- तत्त्व | २१९ |
| ५९- पुण्य पाप | २२१ |
| ६०- शुभत्व के दो किनारे | २२४ |
| ६१- तप त्याग का प्रभाव | २३० |
| ६२- निमित्त और उपादान | २३१ |
| ६३- दासता विरोधी अभिग्रह | २३४ |
| ६४- जीव सिद्धि | २३७ |
| ६५- संघ की आवश्यकता | २४० |
| ६६- गुणस्थान | २४५ |
| ६७- केवलज्ञान | २४८ |
| ६८- लोक संग्रह के लिये | २४२ |
| ६९- मुख्य शिष्य | २६४ |
| ७०- साध्वी संघ | २६५ |
| ७१- सफल प्रवचन | |

| | |
|-----------------------------|-----|
| ७२- मनोवैज्ञानिक चिकित्सा | २६८ |
| ७३- नन्दीपेण की दीक्षा | २७१ |
| ७४- जन्मभूमि दर्शन | २७३ |
| ७५- जयन्ती के प्रश्न | २७८ |
| ७६- गौतम की क्षमायाचना | २८० |
| ७७- स्वाभिमानी शालिभद्र | २८५ |
| ७८- कालगणना | २८६ |
| ७९- कठोर अनुशासन | २८७ |
| ८०- देवलोक की अवधि | २८९ |
| ८१- चतुरता का उपयोग | २९२ |
| ८२- अनेकांत का उपयोग | २९५ |
| ८३- परिचित की ईर्ष्या | २९८ |
| ८४- मृगावती की दीक्षा | ३०२ |
| ८५- शब्दालपुत्र | ३०४ |
| ८६- पत्नी का अपमान | ३०९ |
| ८७- स्कन्द परिव्राजक | ३१० |
| ८८- जमालि की जुदाई | ३११ |
| ८९- गोशाल का आक्रमण | ३१६ |
| ९०- मेरी बीमारी | ३२३ |
| ९१- प्रियदर्शना का पुनरागमन | ३२४ |
| ९२- केशी गौतम संवाद | ३२८ |
| ९३- सामायिक पर आक्षेप | ३३२ |
| ९४- राज्य को दुलती | ३३३ |
| ९५- सोमिल प्रश्न | " |
| ९६- श्रमणोपासक परिव्राजक | ३३५ |
| ९७- गांगेय | " |
| ९८- गौतम प्रश्न | " |
| ९९- पञ्चास्तिकाय | ३३८ |

| | |
|-----------------------|-----|
| १००- भेदभाव का बहाना | ३४० |
| १०१- जीव कर्तृत्व | ३४३ |
| १०२- तत्त्व अतत्त्व | ३४५ |
| १०३- निर्वाण | ३४७ |
| म. महावीर और सत्यसमाज | ३४२ |
| सत्यसाहित्य | ३५६ |
